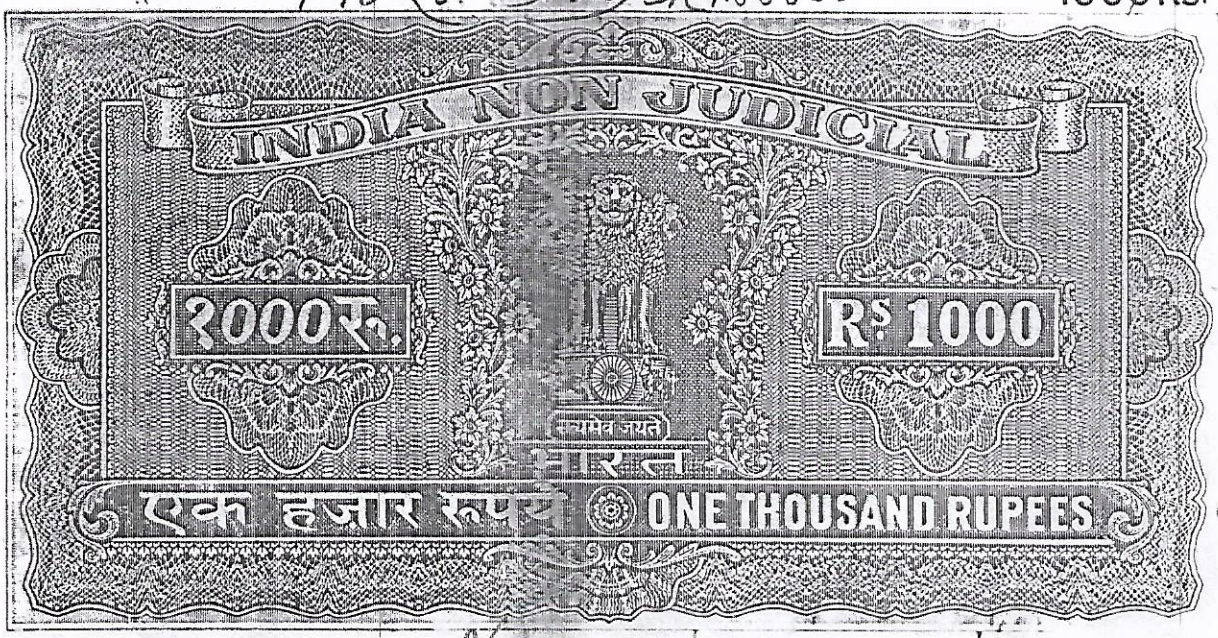

१६8० .. नि० रै० 32000) अ.क्र. 00677 | 119830 8000/ 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

3360-00

680-00

8000-00

6 Read with Section 27A

9220-00
36-00
2-40
1394-48

26-4-95

1-लेख्यकारी:- श्री रामदास राम, पिता स्वर्गीय बालचन्द्र राम. जाति रवानी, पेशा नौकरी, निवास स्थान मौजा कुण्ड — मुहल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटन गंज, जिला पलामू, भारतीय/शपथ पत्र संख्या 10 दि० 26-4-1995/

2-लेख्यधारिणी:- श्रीमती निर्मला देवी पति का नाम श्री विनोद कुमार जाति रवानी पेशा गृहणी निवास स्थान मौजा कुण्ड — मुहल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू, भारतीय/शपथ पत्र संख्या 11 दि० 26-4-1995/

3-लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र (कैवाला बय ला कुलामी)

4-बाजार मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र/

विक्रय मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र/

5-सम्पत्ति:- जमीन, क्षेत्रफल 0.03 3/4 डी० (तीन दशमलव तीन बटा चार डिसमिल) जिसका जिन्सी नाप लगभग एक कट्ठा होता है, अन्दर मौजा कुण्ड, मुहल्ला हमीद गंज,

100678 | 99 1000Rs.

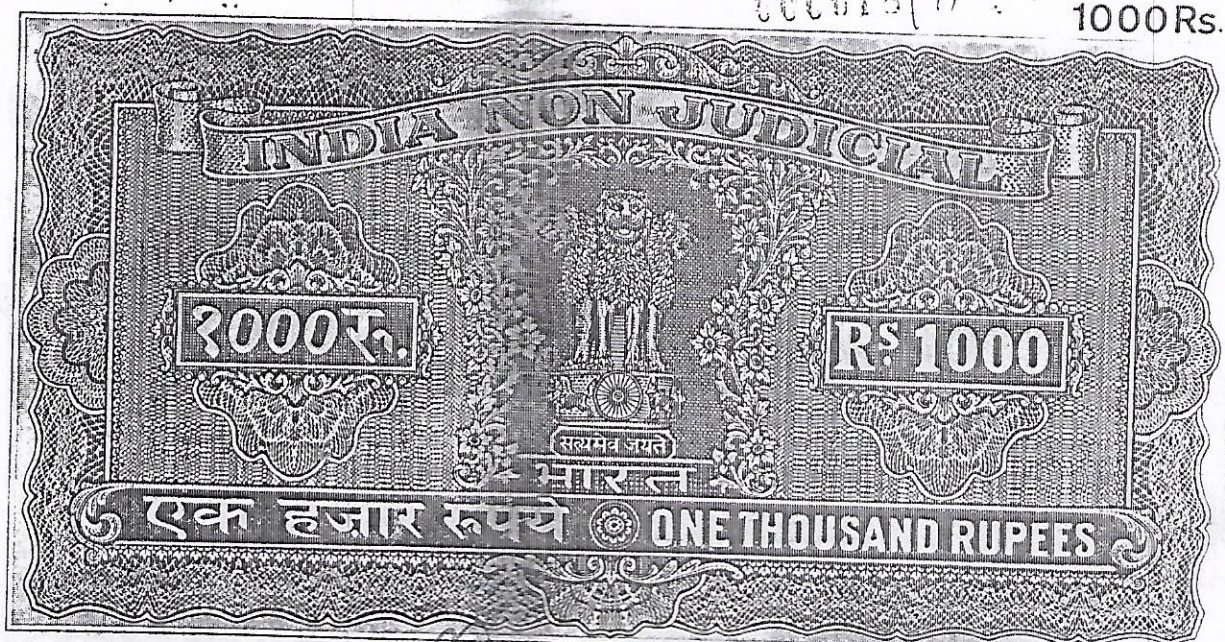

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(2)

प्रखंड एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू, सब-रजिस्ट्री एवं जिला सब रजिस्ट्री ऑफिस डालटनगंज, स्थित छप्परबन्दी, पार्ट ढलैया एवं पार्ट खपड़ा।

तौजी नं०	थाना नं०	खेवट नं०	वार्ड नं०
७२	1-20	1	12

जमाबन्दी नं०	प्लौट नं०	रकबा
224	353 (तीन सौ तीरपन)	0.03 3/4 (पौने चार डिसमिल)

चौहद्दी:-

उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
निज विक्रेता जिसे दूसरे केवाले द्वारा विनोद कुमार खरीद रहे हैं।	श्री घनश्याम राम।	श्रीमती [illegible] [illegible]।	म्युनिसिपल सड़क एवं स्कूल।

चूँकि मौजा कुण्ड नगरपालिका क्षेत्राधिकार में आता है और इसका सर्वे फाइनल नहीं हुआ इसलिये खाता नम्बर नहीं दिया जा सकता।

वार्षिक लगान:- 3)72 पैसे मात्र।

लगान पाने वाला:- बिहार सरकार द्वारा अंचल ऑफिस डालटनगंज, पलामू।

उपर्युक्त वर्णित सम्पत्ति मेरी स्वयं की खरीदी हुई छप्परबन्दी सम्पत्ति है, जिसे मैंने श्री पुनीत राम, पिता का नाम स्वर्गीय लाल राम से एक रजिस्ट्री [illegible]

0008[illegible] |११

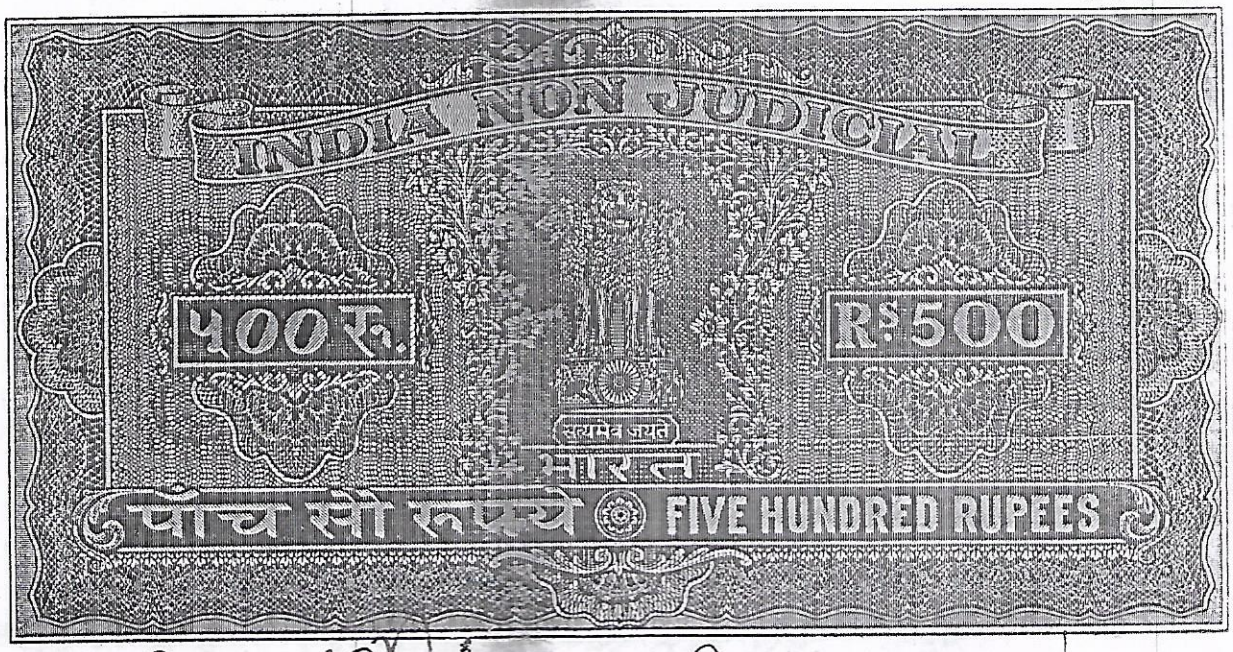

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs.500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

बाहते सन १९८६ ईस्वी, जिसे डालटनगंज के रजिस्ट्री ऑफिस के बुक नं० १ के वोल्यूम संख्या २८ में पृष्ठ संख्या २१७ से लेकर २२१ तक में दिनांक ११-८-१९८७ ईस्वी को निबन्धित किया गया है, के द्वारा खरीदा है और इसे खरीदने के दिन से ही अर्थात दिनांक १९-११-८६ ईस्वी से ही खरीदी गई इस सम्पति पर मेरा निर्विवाद रूप से स्वामित्व तथा दखल कब्जा चला आ रहा है/ इस सम्पति के सम्बन्ध में बिहार सरकार के सिलसिले में अंचल ऑफिस डालटनगंज द्वारा मेरे नाम का दाखिल खारिज भी हो चुका है और इसके लगान की रसीदें भी मुझे मेरे ही नाम से प्राप्त होती चली आ रही है/ इस सम्पति में मेरे अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति का हक, हिस्सा अथवा दखल कब्जा नहीं है और ना ही मैंने आज तक इस सम्पति पर किसी भी प्रकार का ऋणभार ही किया है/ संक्षेप में यह सम्पति मेरी दखीयत के सभी दोषों तथा ऋणभार से पूर्णतः मुक्त है और इस पर किसी भी तरह का बारदेन नहीं किया गया है/

चूँकि मुझे अपनी सयानी हो गई पुत्री की शादी करना अत्यन्त ही आवश्यक हो गया है और इस कार्य के लिये काफी और नगद रुपये की आवश्यकता आ पड़ी है जिसका प्रबन्ध अपने पास से या अन्यत्र से कर पाना मेरे लिये सम्भव प्रतीत नहीं हुआ/ अतः इस सम्बन्ध में मैंने अपने

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

४

परिवार के अन्य सभी सदस्यों, अपने मित्रों तथा शुभेच्छुओं से अच्छी तरह से विचार विमर्श किया और सर्व सम्मति से यही निश्चय किया कि अपनी ऊपर वर्णित सम्पत्ति को बिक्री कर दिया जावे और इसके मूल्य से प्राप्त रकम को अपनी पुत्री की शादी में लगा कर शादी के कार्य को सम्पन्न कराया जावे / अतः मैंने इसके बिक्री की चर्चा कई व्यक्तियों के समक्ष किया और इस बात का प्रचार भी कराया / परिणाम स्वरूप कई सम्भावित खरीदार आये और सभों ने इसका भली भाँति निरीक्षण करके अलग अलग मूल्यांकन भी किया, परन्तु अन्त में लेखधारिणी ने भी अपने पति तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आकर इसका भली भाँति निरीक्षण किया तथा इसकी सभी सुविधाओं को देखते हुए इसका आज के बाजार भाव के अनुसार उचित तथा अधिकतम मूल्य मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये निर्धारित करके इसी निर्धारित मूल्य में इसे स्वयं ही खरीदना भी स्वीकार किया / मैंने भी इस मूल्यांकन को प्रत्येक बिन्दु से उचित तथा अधिकतम देख कर इसके सौदे को लेखधारिणी के साथ बिक्री करने का सौदा पक्का कर लिया /

क्योंकि मैंने इसके मूल्य की पूरी रकम को लेखधारिणी

000801 | ९९

500Rs.

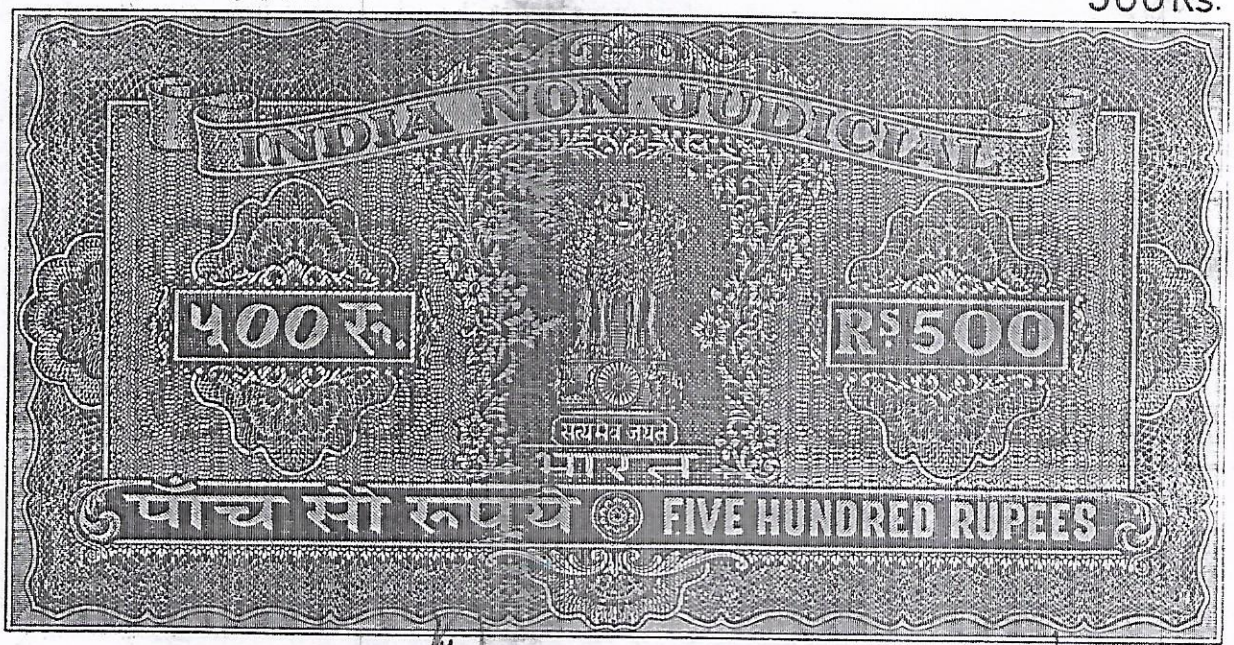

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   Rs500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

२

से अग्रिम ही नगद वसूल पा लिया है और मूल्य की रकम में से अब मुझे कुछ भी पाना शेष नहीं रह गया, इसलिये यह केवाला आज से ही हरी तरह से असर में आ गया और मैंने उपर वर्णित सम्पत्ति पर से अपना सम्पूर्ण स्वामित्व तथा दखल कब्जा हटा कर इस पर खास लेख्यधारिणी श्रीमती विमला देवी को स्वामित्व तथा दखल कब्जा दे दिया। इस प्रकार से इस सम्पत्ति के सम्बन्ध में मुझे आजतक जो भी हक, अधिकार तथा सुविधायें प्राप्त थे, अथवा भविष्य में प्राप्त होते, वे सब ज्यों के त्यों लेख्यधारिणी को प्राप्त हुए। अब इन्हें पूर्ण रूप से अधिकार-प्राप्त हुआ कि इसका अपनी इच्छानुसार उपयोग तथा उपभोग करके लाभ उठावें। इसमें अपना गृह निर्माण करावें, अपने परिवार सहित निवास करें अथवा जैसा उचित समझें इसका इस्तेमाल करें। इससे अब मुझे, मेरे किसी भी अन्य उत्तराधिकारी-अथवा स्थानापन्न को कुछ भी सम्बन्ध या सरोकार नहीं रह गया। लेख्यधारिणी को चाहिये कि इस सम्पत्ति-के सम्बन्ध में बिहार सरकार के सिरिश्ते में अंचल-ऑफिस डालटन गंज द्वारा अपने नाम का दाखिल-

33-8-38

600862 | ९९

500Rs.

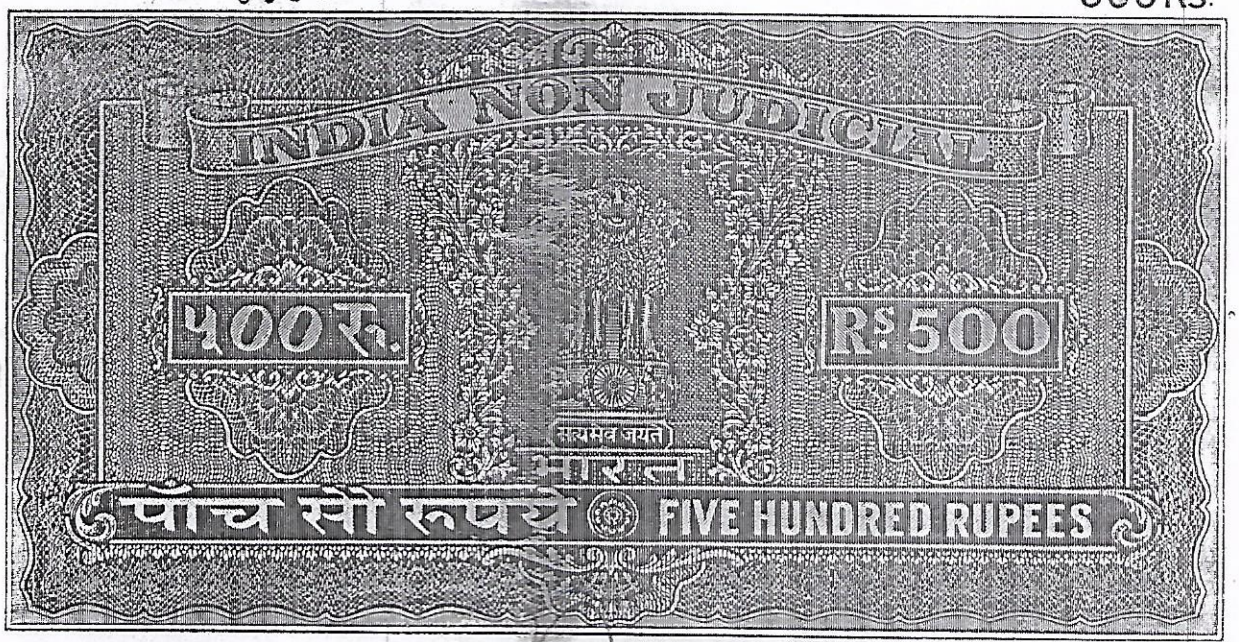

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

खारिज करा ले तथा इसके लगान की रसीदें तथा नगर-पालिका टैक्स की रसीदें को स्वयं अपने नाम से प्राप्त किया करें।

इसलिये मैंने अपने शरीर तथा मन की पूर्ण स्वस्थता में अपनी इच्छा तथा प्रसन्नता से इस विक्रय-पत्र (बैनामा क्रय ला कलाम) को लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

आज तारीख — २६-४-१९९९

कातिब:- विजय शंकर प्रसाद,
डालटनगंज।

[illegible]

[illegible]

9६४१   १६० ... 32000 ... [illegible]   १६५३१ ६०००/   1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

Read with Section 8 ... Act 1959

26-4-95

1- लेखकारी:- श्री राम दास राम, पिता का नाम स्वर्गीय बालधनी राम, जाति खरवार, पेशा नौकरी, निवास स्थान मौजा कुण्ड महल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू, भारतीय/ शपथ पत्र संलग्न दि० 26-4-1995।

2- लेखधारी:- श्री विनोद कुमार, पिता का नाम स्वर्गीय पाँचू राम, जाति खरवार, पेशा नौकरी, निवास स्थान ग्राम कुण्ड, महल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू भारतीय/ शपथ पत्र संलग्न दिनांक 26-4-1995।

3- लेख प्रकार:- विक्रय पत्र (बैनामा बय ला कलामी)।

4- बाजार मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र/

विक्रय मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र/

5- सम्पत्ति:- जमीन क्षेत्रफल 0.04 $\frac{44}{95}$ डी० (चार एकड़ ... [illegible] बटा ...) जिसका ... नाम ...

१६८९ 1/६० रु० 32000 ... १६८३१ ६०००/ 1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रू. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

३३६०-०

६६०-०

१०००-०

6 Read with Section 8(1) ... Act 1959

६११२०-०

३६-०

२-४०

१९३९

26-4-95

1- लेखकारी:- श्री राम दास राम, पिता का नाम स्वर्गीय बाल धनी राम, जाति रवानी, पेशा नौकरी, निवास स्थान मौजा कुण्ड, महल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू, भारतीय/ शपथ पत्र संख्या ... दि० २५-४-१९९५।

2- लेखधारी:- श्री विनोद कुमार, पिता का नाम स्वर्गीय पाँचू राम, जाति रवानी, पेशा नौकरी, निवास स्थान ग्राम कुण्ड, महल्ला हमीद गंज, शहर एवं थाना डालटनगंज, जिला पलामू भारतीय/ शपथ पत्र संख्या ... दिनांक २५-४-१९९५।

3- लेख प्रकार:- विक्रय पत्र (बैनामा बय ला कलामी)।

4- बाजार मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र।

विक्रय मूल्य:- मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये मात्र।

5- सम्पत्ति:- जमीन क्षेत्रफल 0.04 $\frac{44}{95}$ डी० (चार दशमलव चवालिस बटा पंचानबे डिसमिल) जिसका मैनी नाम लगानबंद ...

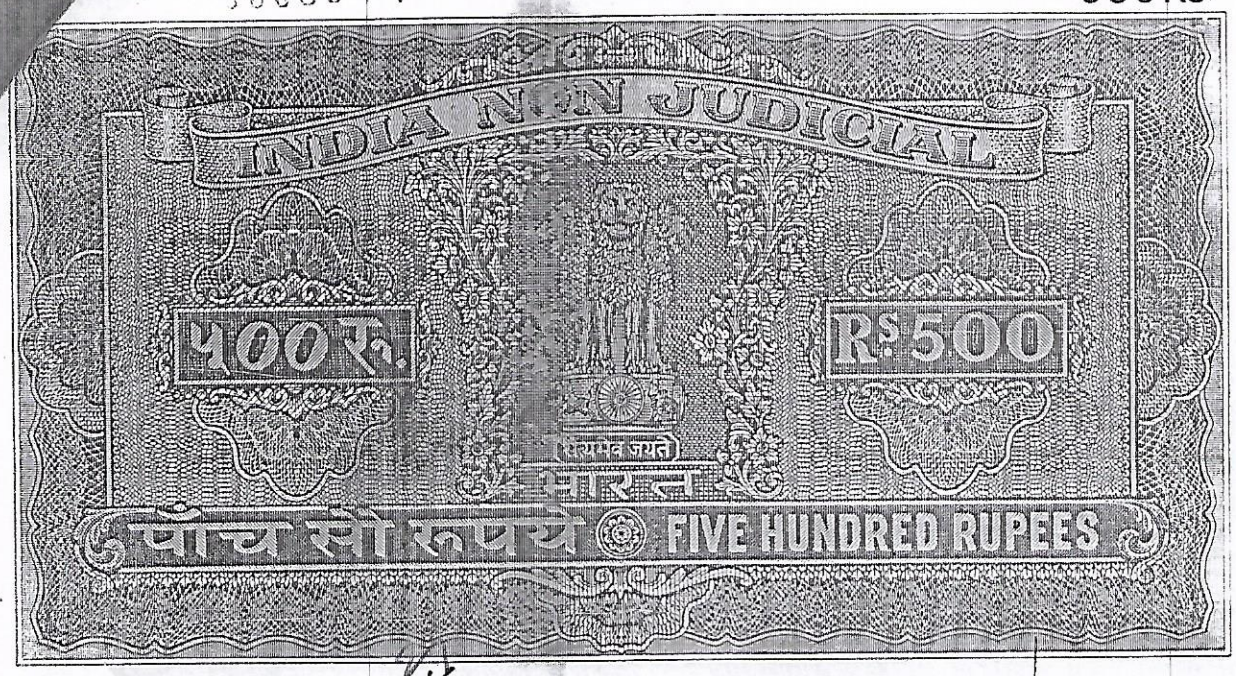

300881/99 500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs.500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

हकीयत के सभी दोषों तथा बन्धक से पूर्णत: मुक्त है और इस पर किसी भी प्रकार का लेनदेन नहीं है।

चूँकि मुझे अपनी शादी योग्य हो गई पुत्री की शादी कर देना अत्यन्त ही आवश्यक हो गया और इस कार्य के लिये काफी और नगद रुपये की मुझे आवश्यकता आ पड़ी, जिसका प्रबन्ध अपने पास से या अन्यत्र से कर पाना मेरे लिये सम्भव प्रतीत नहीं हुआ। अत: इस सम्बन्ध में मैंने अपने परिवार के अन्य सभी सदस्यों, अपने मित्रों तथा शुभेच्छुओं से अच्छी तरह से विचार-विमर्श किया और सर्व सम्मति से यही निश्चय किया कि अपनी उपर वर्णित सम्पत्ति को बिक्री कर दिया जाये और इसके मूल्य की रकम से अपनी पुत्री की शादी सम्पन्न कराया जाये। अत: मैंने इसके बिक्री की चर्चा कई व्यक्तियों के समक्ष किया और इस बात का प्रचार भी कराया। परिणाम स्वरूप कई सम्भावित खरीदार आये और सभों ने इसका भली भाँति निरीक्षण करके अलग अलग मूल्यांकन भी किया, परन्तु अन्त में लेख्यधारी ने

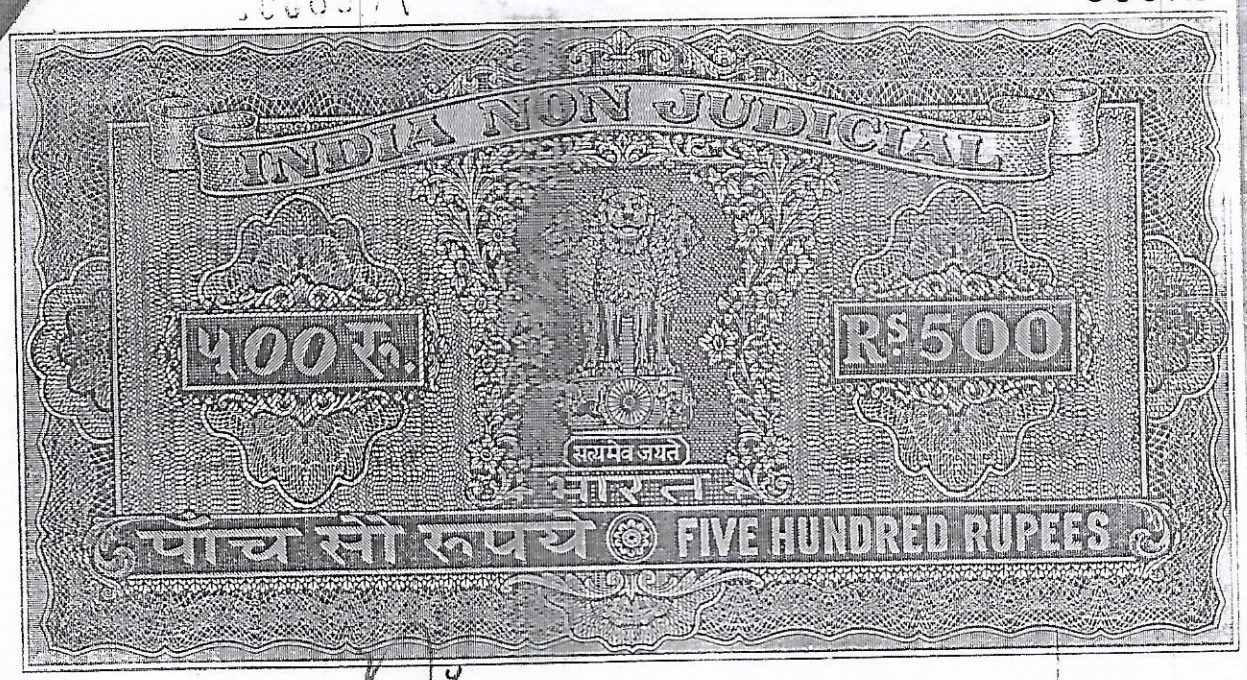

00899 | 99

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

भी आकर इसका भली भाँति निरीक्षण किया तथा इसकी सभी सुविधाओं को देखते हुए इसका आज के बाजार भाव के अनुसार उचित तथा अधिकतम मूल्य - मुबलिग 32000) बत्तीस हजार रुपये निर्धारित किया तथा इसी निर्धारित मूल्य में इसे स्वयं ही खरीदना भी स्वीकार किया। मैंने भी इस मूल्यां-कन को प्रत्येक बिन्दु से उचित तथा अधिकतम देख कर सौदे को पक्का कर लिया।

क्योंकि मैंने इसके मूल्य की पूरी रकम को लेख्य-धारी से अग्रिम ही वसूल पा लिया है और मूल्य की रकम में से अब मुझे कुछ भी पाना शेष-नहीं रह गया इसलिये यह बेवाला आज से ही पूरी तरह से असर में आ गया और मैंने उपर वर्णित सम्पति पर से अपना सम्पूर्ण स्वामित्व - तथा दखल कब्जा हटा कर इस पर बाद लेख्य-धारी श्री विनोद कुमार को स्वामित्व तथा दखल कब्जा दे दिया। इस प्रकार से इस सम्पति के - सम्बन्ध में मुझे आज तक जो भी हक अधिकार

23-4-98